

भैराम पूजनपद्धति



CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri



ॐ इमा एवमु दहमा विम भुजुदग। उभये भुजुग  
 लैम भनैग्मे, ककुदगः भुमिष्टु सु मिष्टु  
 भनैय उठाना ॐ भुष्टु सुष्टु उभकेन भुनभने  
 उठग विम, पीवेउते, उम, उमु, दमु  
 नहैराना ॐ ॐ ॐ कभुर उभने भुभुमते  
 भुकलम विव काभमैव कदिभुमु भु  
 गेन। उभये उउभा वलकी उमु ॐ ॐ  
 धिगुद, हुनुउभा, नीग्मे लैम मगले,  
 भुष्टु कभुरके हुष्टु भुष्टु ॐ ॐ भानुवनाना  
 पीनुउलाप्यनै मुठना, पुधवती भानुवता  
 ॐ वेवहुभभका वेवयस गनुवता भुष्टु उभकेन भुष्टु ॐ  
 मेवहुपानिगीकिउ, गनुवेरधुगठिउ,  
 नमनिलहय, मनिवाकुलाव भुष्टु उकिभमैव मिष्टवने  
 उठउ, उठउ, उठउः एकम गनुयभानु  
 भानुवनाना पुधवती ॐ ॐ ॐ भुष्टु भुष्टु  
 उ, भानुवता, पुधवती, पुधवती, पुधवती, पुधवती  
 कभुष्टुवनिन कनना उठउ गनुभुष्टु निहल मिष्टु लहवनिन  
 ॐ, कभुष्टुगनुवमं गनु, सुष्टु गनुगनु  
 कभुष्टुवनिन कनना पीनु भुष्टु कभुष्टु उठउ भुष्टु भुष्टु  
 उ, भुष्टु मगपीतिउ, उठउ, उठउ, उठउ, उठउ  
 मेष्टु उकिउ कभुष्टुवनिन उठउ उभेपाठ लउउकिउ  
 उठउ, उठउ, कभुष्टुगनुवमं गनु, उठउ  
 गनुभुष्टु

ॐ ॐ ॐ  
 ॐ ॐ ॐ  
 ॐ



CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection-Jammu. Digitized by eGangotri







कदापानन लीवान्ने भवने शवीपानन डि ठला ५८ मिक  
 नुकाइं लीवपुंउंय नुपुंय ठला मिकभा  
 कपिउ केलेभा जलकावा भिभुउंउंमे वमठि द्वावमसे  
 वमउंयुमभीपुउ, पतिउं मतिमुः पिये  
 वम भिभुमउं देरल भद वमभ गव उंभना वमय डि  
 पुनच विणिउं गल नुविउं गउंउयेः पुपु  
 गउं दे कपिउं उं कं वउं येकयादेमाडि  
 मैवनिम गल नुमल मति क गिल्ली गंउ  
 गउं वमय उंभपठे शल्ल दिववउं नदा  
 मीमनिम पुपु उंम म पुल द गिक न  
 निनुग नमडा उति मयलानिभउं कपुवाभउं उंभना भिडि  
 निनु नुगतिभुद मैव क पुवम उयेः मथा  
 मैम उंभना कउं मानमक  
 मगल मडुले उयेठि नुभानिउं मरमी  
 वउं करोया नमय मउं द्वा भिभुमक उंभना  
 मिवम पुपु नउंय द गिक भउं भिम मय उये  
 उति गमउं डि उमिडेलि डि  
 पुउं गउं मेव उउं उं म पुवजी म उंउं  
 भउं मिउं पमसे मयटया शल्ल भा मडभा वउं मउं पुम शल्लिवा  
 भवउं ये ठमवउंः पुग म द भउं पुपु भव  
 पुठनवाभउं मउं उयेभउं विम नम विम उंमा विमया मउं उं भउं दानमं व  
 लकु म विउं विम नउं मम कउं वपुग  
 १०







मगीगदधवने

प्रभुद

उमा प्रलङ्घित युग नदयविम (अथ कवि

मृभकमभिते प्रहृ येवगल उरुदुः

कर्मगति श्री उडा एकदमी दगंलामे

अवधयने काहे दग्निदभरः लयगुगल

मंडल प्रकट्ट पद गिली मव लि मेव <sup>मगया ३</sup>

मन मगया यडा मकिउय ममु मत्रहवा करगल  
मनगनि मवेयल्लः मरुकिः नरेदुता

मगया युगवा लयगदुमी उपवम कुगे  
मृभवेवय लय मभधिमित कल कलि  
उरुदुकरि गुनमाविम देवउडा डउपणे

मउंयउ मेरुउ नि विरुवदुता ५०००

वल् मृदल नृप्रिभू भठलं कवेता ॥ उतिनी

छविहृतिगुल लयगदकदमी मभयु

लकष मभयु मभुलीदुता ॥ मुठठ

वउमवलागुता ॥ ३ ॥ ॥ ॥



मिलीपराय, मानिलहृवा। मयममके भवइ ठहण  
मिलीपउवम ॥ भायमभमुभाद

हुं सुतं, वमुपउभनं, भवेधं, मुठमं, पुष्टं,

भवपायधुमं <sup>उवाचुमय</sup> मभ, भवेधं, मीव, मभनं,  
<sup>उउमयेदा किसकन</sup> भुउमियं, कसं, भनं, उउमि, मं, मये, एउ, मुं, कउं,  
<sup>ययि लयक होपा</sup>

इमि, इ, इमि ॥ वमिधु उवम ॥ भायम

प, भाद, र, द, ग, ल, द, च, इ, मं, इ, उ, म, <sup>उउमकेदा</sup> उ, उ, कं, क <sup>वया</sup>

वयं, ध, भु, उ, म, य, इ, नि, इ, उ, <sup>उउमकेदा</sup> सु, मि, म

य, भा, द, पु, इ, इ, उ, म, क, म, मी, सु, ठ, ठी, म, मं

<sup>मययु उवमउता मयय उउमकेदा</sup> वि, वि, इ, उ, उ, म, य, इ, नि, इ, उ, उ, उ, उ

<sup>उउमकेदा</sup> भु, व, म, : सु, द, म, य, इ, इ, उ, म, य, इ, उ, उ, <sup>विनयमउ</sup> पु, म

<sup>मययु उवमउता मयय उउमकेदा</sup> य, व, न, उ, इ, य, भ, उ, प, पु, म, म, म, म, ॥ ॥  
इ, इ, नि, ल, ह, वा, पु, म, म, म, म

१०



मद किमकुन दृष्टिना दृष्टि डि उष्ट कदा  
विमिलीयः ॥ म. कवभुमिमकुल, मी, रु, नै, कथ

उत्त  
मीमुठ, ठीमभनेतिविष्टः भवथ पदरापा, उत्तमा  
उमिष्टुत्तः, देवदियेगीउमंथ, वनमा लायापहेक देवमिष्टु, चमेपठ  
उमृ, डिभं दयेमि, नृगष्टु, भद्रमिष्टु, उमि, चमेपठ

भुवमः सूत्रः भुनिः धेवमउं चयभा, वमिष्टुः।

द वेदा भिदा हेष्टु, एकभमिष्टुमउम पडकलि  
गष्टु, उमृयपव, मूउं, एमृभय, धुर, गदु, गदु  
मुमये मयेया ठीमभनेष्टु कवदने उमने उ मयेया मिष्टु  
परमं भव, ठीमभीरकवेष्टुयभा, उमृ, चउभा  
देवदियेया वनया रुद्रिभने यवकनि मुनिक केवल उमृमउ  
दगष्टु, वदुमिष्टुमउः, मुष्टुः सूत्रा,  
पपी गठगठ, देगे, उमे दगष्टु, पठकलि  
भउने, पंथयतिमउगः, मुभीयुष्टु, दगष्टु, विष्टु  
लगेमउ दगमउ पठभविमलगेमउ  
पू, विष्टु, कविष्टुयलाः, उगी, उमृयगेनि विष्टु  
देवमये दयामये पठमैक चमेपठ शष्टु  
उं, भउयुति, मयविष्टुः, पठगीक, उमिष्टु, विष्टु



गवकने कुयवा वि उरामसे  
 उभाभडी उकुयादेवा  
 नभकुसुपुपवना, उमुठकुपुगरेद, उमु  
 देवेस उभना उरकयनाडा उमने उनेयतिभय निमुवा उ  
 मीरपमउम, उये: किस्कि कुकेले पुडुएउम नपि  
 उमुठकुसुमसे कयवापाडी उरामि लकयति नवमसे डीमा कुयवा  
 दमति: ॥ ठीमहीर उरामे, उमुठकीमिठ  
 देवा कुनेप उभा वरि १ गयवा निमुवा उलि  
 वरप, एवउमुमम: मपु, कुजी उ, दि, उर,  
 देवा मउवदेमा देवाएवि उलकमा उडि मममुमा  
 उय, मपुवकुमुगलेकु, रलकुमुमदकुन:  
 उका उपदेमा ममभियवनेमा रगयभाविम पापानमा  
 उडि, उरामनेद, उरामपयधनमने, कवनेमा  
 उवपउ उकिविमलनेमउने कुयवा कन निमुवा  
 उडि उरामनेकु, दिपुपरेरपे  
 देवा उम, रगयलंक, कषं, धमु, मव, धप, धल  
 उवपउ दकुउमकु देवये रगयभनीमुग  
 मरमा, मपु, कमु, म, मकु, दि, रगमं, उम  
 उका मगभिडा, विम चियवा  
 मरमद, धलमु, उव, कुम, पयउर

श्री  
 ८



दृग्गन्धसुखं नगदन्तीषुगन्धमा उच्यते

पञ्चतन्त्रं नगदन्तीषुगन्धमा उच्यते गयवा

समेतेलेग किय उमेन सलकमा पुममंमुगा दपनिलसुव

उः उऊधयिउ उंरले मंभं पूवमम

पुनिगुन कयपेके देएणि देएणि ३ इका

इरः नगदः किमंजं वडु वडु उं पति

कडगमुचिन् पुमे इयवाकौपा कडा मण्ड पुनिगमनेम  
उंरल्लुउले नुधुवडुमि किंभाडा भुगडा

३ कडगकोनपा कठन नउडा भगठपाडि लिमिउता

इंनिगठउः पिडावाप ० न उंम मडु

लयेनया निमृगकउम यवकनि वडुवाकौपा देवतकम

नउडिउएवमा यमम इमिधित लउं ल उलगनसुवगा हपा

मुं मुं कयवाकौपा डि मण्डनेमा इयवा गड गडा कडा

० मंमडुगेधिम मउडुलुगदंगम कलं हं

यडुनै नडा गकडा मटया मिडा कडुगकिडा मकपेक  
मंमगभिधमि किनमिउ विनिधूय मु

मिं नउमंमयः उमुउडुम नंमडा ।



<sup>मैत्र्या</sup>  
 ललकैठजिमंयुतः प्रैवमभनिमभुलं  
<sup>वभनयवने</sup> परिदभकंयमः <sup>यमने</sup> ललकः किभजंभनि  
<sup>मैत्र कन मरुभा भि मरुकिभा उ</sup> मभुलकलकिनकिभेयनः <sup>करेभा</sup> उपमंमंजु  
<sup>इ यमिभुत मरुन लमरुभे भभी यमने उर उरुदभभु</sup> पुंयनयसुभुलंविदुभा वरुंउदिभु  
<sup>मैत्रजकि</sup> उंमूवनागमः <sup>मैत्रिजगदभनि ललुवा</sup> पूरुठधउ नरमः  
<sup>मरु वनगुलेपा कूठकनि भिज</sup> अकललकवजुं किभुजुंउपुंभभु उ  
<sup>भभुनलमोपा युग उ उभल मल जे</sup> पुंमउललंउंये उंउलंभभुडिनंय  
<sup>ललकनभुज नउड भिदिभुज नउड किं ठिप वन</sup> ललेयकमकैये रीउयेः किंयंयम ।  
<sup>डी मे ललके यमने मैत्रजकि विधमउन नभुभउ उमेभवना</sup> मल्लेयकभकलु भुमुयवउउमुय ।  
<sup>ए १</sup> रहुल्ललिः पुः भिदुमनेः प्रैवमउंभनिभ  
<sup>मैत्रकनि मरुज उमेभा येभा</sup> लउ मलिल्लव

डी.  
 ए.  
 १



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥















भउमैकभवप्रयत्नः नतः परतरकमिदं  
 कमविभलमुठ ३७ प्रहमस्तुउतेयं वै नदं  
 एनमियैः दत ५० नः सूवनस्तुः वारण  
 यदलंलठउ ८० मित्रुमलिममहेष ८०  
 मेकप्रमयिनी ॥ ७० तिस्रीरद ५० प्रहमभन  
 मीदभित मेकैकमीभदं सुठम ॥ ८० ॥ ८०  
 यणिधिरउवम ॥ ८० येषभुदपहउ सुद  
 मीकठवेकुठे किंनभकैविणिभुष्टः केदेवभु  
 इप्रलयेउ ० ॥ मीदस्तवम ॥ कययिष्टभिर  
 एदु ठवतः सुदकर ७० उषवेउदिनमेदु  
 कुउठिस्तप्रमहिलैः ३ यषउदिठवेदहमे  
 कदंष्टप्रयत्नउभुदप्रयत्नकउष्टदिव



भग्मा ७ पेषमुदपुपकैउ सुदमीयठवेउ  
 प उभुमैवपिमदकुं मरुष्टैकगूमनमः २  
 भवष्टैपुयगण नेकमष्टैठवत्रिदि उभं  
 मवदिमचभं विकलंनैवकगयेउ ५ सुतः  
 पंश्वकूमि पेषमुदपुपकैउ सुदमीय ७ उभुः  
 विणिचपमैषु लेकनंदिउकभुय १ पेषमु  
 दपुपकैय भठलानभनभतः नगय ७  
 मिद्वैशुः प्रणयेउं प्रयत्रुतः ३ प्रवेवि  
 णिनगण कउष्टैकदमीलनैः नगनंमयष  
 मेधः पकिंंगमडेयष ३ देवनंमयष  
 विष्णुः द्विपमंशुक्रं यष सुतनंमउषग  
 ए सुवगैकदमीडिविः ७ उल्लनठउमैषु

पेष  
 द. १०.  
 ०५



ममप्रसन्नमचमः हरिवभरमंयुक्तं वतुतेय  
 एनकुमभा ०० मठलनभयाष्ट उष्टः ५  
 टंमृष्टप्रै ठलैमं प्रणयेतु कलमेमैदुवैः ५  
 ठैः ०० नरिकेलैः ठलैमुष्टै भुषमनीणप्रकैः  
 एवंठलैमुष्टिमेष्टै उषप्रैठलैरधि ०३  
 लवष्टैचिविष्टैष्टै भुषमभक्तकमिठिः ५  
 एयष्टवष्टवमे प्रपैमीपैदषाकुमभा ०३ मठले  
 येमीपमनं विमैष्टै ५०५ पयैउ (उष्टै एगार ००  
 मैवकतुष्टः मप्रयतुः ०२ यवमुष्टिधउनेष्टं  
 उवष्टगतियेनिमि एकगुभनमेष्टं उष्ट  
 ५०५ ठलैमृष्ट ०५ उष्टमेनभिवैयष्ट श्रीं  
 उष्टमुष्टनदि नउष्टमंष्टंकिष्टि मिदलैकेन



णिप ०० पाङ्गवदमदभूति उपभुजितयदु  
 लभा उडुलंमभवप्रेति मठल एगरे म ०१  
 मूयउं गणमडुल मठलयकषेउरभा  
 पाङ्गवडीतिविष्टा प्रगीमदिष्टउभृम ०३  
 मदिष्टउभृगणदे मडुग मठवडुतः उधं  
 मष्टनयेष्टे ममदयपमंयुतः ०७ परम  
 दिगभीम प्रउवेष्टाउतः मठ पिडुः ईहंममा  
 विष्टे गमयडुवममदभा ३० ममडुतिगतेविष्टे  
 मवडाडिल निरुक्तः वेष्टवमंममवमं निष्टे  
 निरुगुतः मम ३० रंरुक्किणितुमरुक् ४३ म  
 दिष्टउचयः गष्टविष्टययमम लंपकं न  
 मनमउः ३३ गष्टविष्टययमु पिडुमपिम

धेय  
 ५५.  
 ००



ठेगकुकापिउरुअं पुन्यभानुदिसंपुतन) भानु  
 सुंपुगीभया रुपेदुअभयभभभा उवदेभाप  
 सुनिरुपअदवलेकनग) उमइमिउरुअदभित  
 भिवभचम भापुउभिउपकमइठदमीपुमंयु  
 उ सुवापपहुंभचभल्लनगिमिंरानः ॥ मि  
 गगविवलनैः भवंपुभिवंभनः ॥ मउरुप्री  
 ठिविभूभ भंगठल्लनिउइव यउकलेमंभचभ  
 ल्लनगिमंरानः ॥ यउकलेठिभुपिठि मीदिउभेदि  
 उचपः भानिउरुउठइउं कुदभया वजीभरी ॥  
 सुकदभानेइउं शुभीइलवमगिलीभ) गउ  
 कसमिउरुउ भकलुंउपेभयभ) ठेगनभिमं  
 भानिउरुदठिभापउय उदुदभमायउभवंभ  
 भानिउंउय उमइगदइपलेनभमेधेठवइउउ



कथैम्भुः पितृभवे मेकमसुं विनाऽप्य मभंभंविप्र  
 कृतं त्रैवमेवमुद्रमुद्रः ननविणत्रभाययय  
 भादभितनन नृतिफेवउरुमुद्रययनमनेव  
 ॥ भिदिनी ॥ नृदैउमभकंभवभवकृतंउवेमिउभा ७  
 उभचंठवाऽप्ययिअदमयपः उमूतव  
 मनंतु रुपेभाक्षितेठवा उवायनिक्षितेउंते. ६  
 भमुणरुतापः ॥ रुपः ॥ भमुतयन  
 भिकचंपरभंवेकपंउम) एकमभत्रठेनी  
 पमुउतेवंगः यनः अनभिसुतिउतिम  
 निगकुलः मययल्ललंयदि उरुंउरि  
 मेकाग) मुममीलः उदेव एयमीलपुत  
 यदि मुदंभंमकमनंम यकुदउमुययय  
 एकमसुं निगकुले उममुंपंगलीनृ निमिभनु

नाम  
 १५



भगवदतिष्ठते, ननु मेव विमर्शः, मृगभुजधनञ्जी,  
 अष्टिः पिडुलेयध, नभित्तुल्यमेलप, उद्गभीकुलस्ति,  
 रुद्धमेकभगवेम, विमानककभिगी, तीग्निक कधनवउमी  
 उले, भुयभभुतेः भुतिरेतिष्ठिपुः । किमपुष्टपधि  
 कष्टुभतिः, तृतीमि किंमेउमिउडमभमे ॥ ॥  
 मूदेवउडुविनयं, भ्रमयकुंभनैवभ/ एवंविष्टेचपडेष्टः  
 भवंउं भूमभ॥ नलङ्कउकलगतिः भवेनः मरुद्भ  
 वडिचिणयनीयभ/ ह्यः मिमः मभुएयो वनेडु भ  
 उल्लङ्गशीलउतः भाएव ॥ ॥ कृपवयः मेदेभनङ्क  
 लीला भङ्गभुचवंविष्टवंवभुन न-डिकालङ्गभः  
 मभगं नंभंदि किङ्गलुभिवभुएवभ ॥ ॥  
 एवंविष्टिभुमेलि भवंङलपिडुभिडभा भ्रम  
 ज्ञवभनभा ऊफमेलदलंभयि ॥ यडुभिचयेमेले  
 भुयकेडिष्टवः उरुष्टराव नि-तिः कृयउवभा  
 गमः



भा.पु.  
७५



भमरैमयउ ०३ भगवन्तः भकुं गीरं न  
 नमीपउः मधुमिं सुभुरंग भे विभउकु कुलि  
 प्रियः ०३ ॥ गुरु उवाम ॥ रेडुलनयनभुड  
 लङ्गा वङ्गमव्वीउ भेभिइकेन प्रष्टेन गीकु  
 उकम लयः ०४ सुगणैतिउर भय यमेठि  
 सुभमकुलः उपयेनैवपष्टु भियेनेधभुड  
 रैरवेउ ०५ ॥ लङ्गा उवाम ॥ सुमिरेवभु  
 भवमिपुगः प्रदयेउमः वकम लुभनिप्र  
 इवउउडीपमष्टुः ०६ सुभकुन डेरानकु  
 भमभमभुभिरप्यव प्रैववङ्ग मधुवङ्ग  
 यैरप्यनक्त ०७ उं पङ्कगङ्ग रण्डु पुगम  
 भिप्रङ्गवमा ०८ उिवङ्गउउः मर लङ्गा सुति



मेठनभा ०३ एगंभरपवेरुधुं वकरलुंभ  
 दभुनिभा ०४ नभभुनिं नभेविधुमिवाप  
 रः ०७ उवमउमविभुधुः कुतेगभउवग  
 उः ॥ रभउवम ॥ इधुभममदं विरुडीन  
 मनमीपतेः ३० सुगतेमिभमैरुइ लङ्गेणे  
 उभरकभभा ठवउसुउकुलेन डीकुतेविंय ले  
 वभय ३० उभपायेवमभने पूभमंऊरभर  
 उ ॥ उभकुर ॥ देव रधुं इभगतेभुदभा ३३  
 भुनिकवम ॥ कवयधुभुदंरभरुउरभभुभं  
 सुउभा ॥ नउयेनभदना विणयभुठवेरुवभा ३२  
 लङ्कविहुरकभं सु मभुकीतिभवभुमिप  
 कभानभैरुइ सुउभेउभुभय ३५  
 क

३५  
 ३३



ठञ्जु... भुमिउपके विणयेक रुमीठवेडा  
 उभृउउउउउभ विणयभुठविष्टिउ ३० निः  
 भमयेभभुंउ उरिष्टिभिमवः ३१ निः  
 सुयउंभभुउभृभृठलभृः ३२ रुमभृमि  
 वभृउउभृमेकंउकगयेउ (देभंवा. उणउंवा  
 पिउभंवाभृमभृयभा ३३ भुपयेभृठिउंभृ  
 ललभृंभपल्लवभा ३४ भृपरिभृमेकं देभं  
 नृयलंभृठभा ३५ रुमीदिनेभृउ उउः  
 भृनेभभृमरेउ (विम्लंभृपयेभृंभृगभृमभृ  
 उलेभृ ३६ रुमिभैनरिदेभृ सुप्रलयेभृविम  
 धउः भउणभृभृभृयवउपरिभृमिपउ ३७  
 गभृप्रयेभृमभृपैवेभृचिविभृमपि भृभृगुउ

३३  
 ३४



द्विनंरभ नीयउठजिठवउः३० गइएग  
 ॥ मैव उभृगैकरयेवृणभा सुमसृमिवभ  
 ५५ भउ उभृयंभउि ३३ नीइउभंएले  
 म्मेनउंभृव उष उउगेहृदयिइव  
 प्रणयिइयवविणि ३३ म्मृइमैवउंउभं  
 क्लेवमपग्गे ऊभेनभदगलेइमदमन  
 निमपयेउ ३२ पुननविणिनरभप्रषपैःभ  
 इमइउः ऊरवउंभृयइनविणयमुठविष्ट  
 डि ३५ उतिः म्मृउउेगभेयवेऊभकगे ३३ उं  
 वउउेभविणये उऊवगधुनननः ३३ ५५  
 भीउलिउलइ पेल्मुनिदउेग्ल पुननवि  
 णिन ५३ येऊचडिनरवउभा ३१ ५५ लेकेरा



यमुं परलेके उवाचः ५० ननु व० नै  
 व वारुष्टेयदलेलठे ३३ ७ डिमी ३३ पर  
 ७७ ७७ ७७ विरायैकदमी भदं ७७ ७७  
 विनभेनय ७७ ॥ २ ॥ भनण्डेवय ॥  
 उमकीरुतेरुदि भदपउकनमनभ (भरद  
 भुभनिमेषु गेमदभूढलेप्रम ० ॥ वभिष  
 उवम ॥ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७  
 नभ (यवभक्तिभनभ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७  
 वैमिमंनभनगं ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७  
 कडियवैष्टः ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७  
 कुल ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७ ७७  
 उभिदुरवरेभद २ उइमेभनयेर ७७ विष्टुः



ममविदुःकः गृहमेडुवेन भण्डः भण्डः भण्डः  
गः ५ नगयुत्तलः श्रीभक्तभूमिभुक्तपगः  
उभिन्नपतिमकुलं पण्डितं सभति १ दप  
नैवकुटि रम्युत्तैवनिचनभ भुक्तलः भो  
एभरेणु उभिन्नपतिमभति १ विष्णुठक्तिरत  
लेक भुक्तिरवरोभति दगिप्रएरत जैव ग  
रमयिविमेधतः ३ नमुक्तं नमदधुं भ द  
रमीभभुमेत्तन भवत्तु दगिप्रएर दगिठक्ति  
पदयः ७ एवंभेवत्तु गण्डः रक्तवेत्तन  
भउभ एनभुमेत्तु दगिप्रएरत भुक्त ०  
नवकलेन भदत दगिप्रएरत भुक्त ०  
भुक्तिपति उं नभ भुक्तिभुक्त ० उं भव

५३  
१७३३



५५ वनसु भवत्तु विरभम् नियमं मे पदभं  
 भवेत्तु चरविठे ०३ भद लं रं उं हृद भनं  
 रुद्र वदिलले उद्र वलयेग ए लेक सुपि  
 भदेउधः ०३ प्ररुक्तु भवत्तु सुदेपन  
 दभंयुतभा पाङ्गरु भवत्तु मिष्टगन्धि  
 वभिउभा ०४ दीपभल त्रिउं गैव हृमन्तु  
 भवत्तु उभा प्रणयं भवत्तु गी ण्डीमभन  
 ठिल्लितः ०५ एभन्तु नभत्तु उं क नन्व  
 चन सुभन्तु कीद उक्तय हृदि भक्तिधरम् ०६  
 ण्दि ण्डीमभन्तु उं भवत्तु क नमिनि सुभलि  
 क नभत्तु गद उं भवत्तु क नम ०७ ण्दि वद



भुक्तपमिहंमग्ने...प्रलिङ्ग भुक्तिल्लिङ्ग  
 नेनभचपयदगठव १३ उइएगर...मकु  
 लनःभवेभमजितः १७उभिन्नैवकलेउ  
 हणःभभुनभगतः १७ कणमभपरिहृते  
 ठगत्रेनिमभत्रिवभभूभुमलदिगुहे भ  
 दठरे...पीडितः ३० कुट्टुवकुंणीवपाती  
 भचणद्रदिष्टः एगरंतुमेपमु मभद्रहं  
 कणत्रितः ३० दीपमलकुलंरुद्र उइवनि  
 धममदकिमेउदिमिभंमिहै ५३ विभयभ  
 कैटभ ३३ ममजकुभंउइभुं देवंमभेदंतव  
 ममजभलकीष्टकं उमगुं मदीपकन ३३

६३  
 १७३२



वैष्णवं मउवाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १० ॥  
 कर्मसु मउवाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ ११ ॥  
 गुरुमुखाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १२ ॥  
 ठउमभवे विविमुखाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १३ ॥  
 दमगुरु ठउमभवे विविमुखाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १४ ॥  
 दउवाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १५ ॥  
 वेनगुरु ठउमभवे विविमुखाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १६ ॥  
 मउवाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १७ ॥  
 इगुरु ठउमभवे विविमुखाष्टनं सुमुखपठं नमः ॥ १८ ॥  
 भगवती ॥ १९ ॥  
 भविः ॥ २० ॥



डेराभमिडुभरुमः कीडुमडुभमपूठः भम  
 यमविवीभमः परममेविसुतः भमयप  
 विवीभमः ३० एमिकभटवमीग विष्णुडि  
 परयः ३३ २३ २० : भटवभुवै प्ररुपलन  
 उरः ३० यराउविविण्ट हृदगएपर  
 मयद मननिविविणननि प्ररुमडिमभव  
 म३३ एकमभगयंयउं देवकनपरिष्टुतः  
 नमिसंभपिविमिंवेडि उरभदीपतिः ३३  
 मपसुडपरिसुडै उरैं मापिनंवरभा उभ  
 कयंभममिडुभमपभमदीपतिः ३२ उ  
 पाणयउंउले एककीभंदउवनं मुडउं

मंम

८३

१३५



श्रेष्ठगः मचउरुवमठका ३५ सुयये  
 उइयइमु गएपरवलकिउः रुउगडिमुउ  
 एमचइः पिपउपिउः ३० परिवादउउमु  
 भुगएकुगिभूमकिनभा दउउमिउिगेमु  
 निरावैगीविरेणउउ ३१ मुनननिदउः प्रवे  
 भिउरेउउमुवपेइ सुठगिनयसु भउल  
 सुविपाउिउः ३३ निवमिउमुभुमु  
 भिकीपुसुलिमेगल मउवइः पिउभ  
 वेउउमुदउमुभिउः ३७ मचनिममुलि  
 मभा इउंउि नवेमगीभुविमउिउमु उम  
 पिमवेदउमुभुभइ, सुसुवउ नउइ  
 दलीवः ५. यमधिमलिउंउर मयउमु



गयेकुसभा मभुलित्रिउतेव भवेधंभाउ  
 मेउभं १०मीनगकु उभुभवेयउदंभभा  
 गतामउमिनेवकलेउ उभुःगल्लःमगी  
 उः १३ निभउाभुल्लमहकभचठल  
 कुपिउा मिहगनुभभायऊा मिहंभुवि  
 कुपिउा १३ मिहभान्तेभुगगभूउपीउ  
 टिलानन भमभुनिहःमेइहं वभती  
 धाचकं वरु १२ मईएउकभैव कलगा  
 शिगिवाभुगं सट्टिणवकुभं कुव ल्लेसु  
 नहंउकःभदः पिउाभुउमदेहा सुमाक  
 मगउभुषा उउैएविउकुःभममज  
 भदमहुउंभा १० दउलेसुग ७ कुभु

७३.  
 १३.



१५



निष्कभंविभयत्रिउभा मरल्लेकमवग्ने  
 नभिकेपिद्वितीयकः २७ वनउभद्वज्जुम  
 लीभभयतेपिद्विभिकुका रल्लेकमवग्ने  
 द्वा रल्लेकमवग्ने ५० ॥ वभिभुउवग्ने ॥  
 सुभद्वकीरुउंगगा उकुचत्रिउभाः उय  
 त्रिवेष्टुवंलेकं नद्वकद विमग्ने ५०  
 उत्रिमीरुका उभगल्ले दल्ले सुल्लमद्व  
 कीभद्वद्व सुठभा ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥  
 त्रियणिभुउवग्ने ॥ सुभद्वकीरुउंगगा उकु  
 चत्रिउभाः दल्ले भुमिउयल्ले सुउभा  
 भद्वकीभय मेष्टुभुउयल्ले उ किंनभैकग्ने

मेरु  
 ३१



ठवेउ ॥ श्रीठगवतवाम ॥ मङ्गलसूक्त  
 भिषुहउपायनमनभायलेभमेववीभवे  
 मङ्गुउमङ्गुवतिन ३ ॥ मङ्गुउवाम ॥ ठगव  
 म्नेउमिह्मभिलेकनेदिउकथुय मेउभुप  
 वभेपह किंनभैकमसीठवेउ ३ केविणि किं  
 ठलेमभुः कवयभुभामउः ॥ लेभमउ  
 उवाम ॥ मङ्गुमङ्गुलमङ्गुल कभमंभिमिह  
 यिनीभा २ कवविमिहंमुठमं पपप्रीणम  
 यिनीभा ५ मङ्गुमेउमेमे मङ्गुमेउमेमे विउ ५  
 वभउमभयेपु पपपमं कुलिववे गनुचक  
 टभुइवभमिभिकिउरेः ॥ एकमभनभाष्टम



स्त्रीपुत्रमद्वैकमः उपरंभुकरंकिप्ति क्व  
 मेरुवामनमा १ उम्भिवनेउभनयभुपतिरु  
 लंतपः मदमेवैभुमप्यवं रभतिउभणवे ३  
 एकैभुनिवरमुड मेणवीनभनभतः सुभरभु  
 भुनिवरे मेदउपेपमरुमे ७ भाङ्गुपियेतिवि  
 ष्टउ वरु ८ उंविमिनिडि केसभाङ्गुमिउंउभ  
 ठयाम्भुमभंविणे ०० गायत्रीभप्रंभयपी  
 उयतीविपक्षिकभ गायत्रीनभयलेहः ५  
 ० यमनवेमिउभा ०० कभेपिविरायकही  
 मिवठङ्गभनीसुरमा उभुः मरीरंभनमि  
 ववैरभनभन ०३ रुद्रुवेणः केटी गु

मेरु.  
 ३३



कृष्णकण्ठकभामा नयेनैकद्वय पञ्चसुत  
 यथाकृमभा ०३ कृष्णकण्ठकभामा विष्णुयथै  
 पञ्चसुतः भाङ्गपेयकवतुङ्कभामावतु  
 विनी ०२ मणविनंभुविन्दुभापिकभनपी  
 दिउ येवनेदिनमेदभे मणयपियेगणउ ०१  
 दिउपवीउभादिउ कङ्गीभरउवपरःमण  
 वीवभतिभभे हवनभूमिभुठ ०२ भंरु  
 पेयभुतुंरुभुतंभनिभुवभामाभनेनति  
 भंउपु भनभनभगयउ ०३ गङ्गुलयभं  
 यङ्ग भिउउपुभैगल भंरुपेयभभगभु  
 भनिन्दुभुउकविणि ०३ इवठवकटकेभु

३६  
 ८८



भेदयाभमंगन'सुणः भंभुष्टवींभ  
 मभुष्टींभनीचरभा ०७ वल्लीष्टुलिउव  
 कं वाउयेगेनवेपिउभा (मिधिरभेउयभचं  
 नरावीभनिभुवः ३० उभुवैवयनेकुं  
 १० रुष्टुउकुदभुउभभा मिवउङ्गउंउभु  
 कयउङ्गवमेगउः ३० ननिमाउदिनंभेधिर  
 भंएनउिकभुकः वरुलाष्टगउः कले भनि  
 रगगलेभकः ३३ भाङ्गयेधकुल्लेकंगभ  
 नयेधमरुमेगकुतीष्टुवयाष्टगभउंभु  
 निभुवभ ३३ सुयेमेदीयउंष्टुष्टुभग  
 भनयहं भेष्टुवया सुयेवहंभभयउ

मैत्र  
 ३७



कषेगसुभिदेज्ञने यावदूठमभष्टष्ट उव  
 डिभुभभंठिके ऽडिभूदभनेचकं ठयठीउ  
 वहुवभा ३५ प्रनचैरभयभम उमधिंठय  
 भउम भनीमयठया डीउ वहुल दगिवड  
 रना ३० वद ंपाङ्गपाङ्गम ववभभमिन  
 इयभभगेभभनितउभु निमा तंमिवम  
 ठवउ ३१ भउं प्रनदवमय उभिद्वलेगउ  
 भनिभा सुदेमेदीयउं वहुः भदुगंभुगदेभति  
 ३३ मेणद्वयं ॥ ५३ः कलेसनय सु सुयउं  
 वमनंभम ऊचेमहुं नडिंयवउवहुंभुगिठ  
 व ३७ ऽडिवहुंभनेमूद ठयनदभमकुल



भिउंरुहउभकिपिउरुहवमभविभिउभा३  
 सुभरेवम॥किंयउ७मैचिरेउउवभनुग  
 उनपभयिभमंरुहउगतःकलेविमदउभा  
 उतिउभुवमःमूहविभयेरुल्लेसनःभनु  
 उरुमिविरेउःभम॥भकरेउरु३३भमः  
 भमपुपाङ्गमनुउभमउयभदमुरेणभंउ  
 उभुमैएलभलेवकुवद३३नेउहंविभुलि  
 झमभान्मभनेउकेपनःकलकुपंउउंरुभु  
 उपमःकयकरिनीभा३८इयलिउंभम  
 उयनीउंउमनयकयभाभकभेभेभुनिभु  
 भुहवमकुलेद्वियः३५उंमूमभभीणवी

मेरु  
 ३०



कुं पिममठवेदिदण्डिं पायेदुगमरे क  
 लट्टेपउकप्रिये ३० ७ डिमयेनममपू वि  
 नयवनउभित उवमवमनंसकुप्रममेव  
 सुतीभनेः ३१ ५ मं ऊरुविप्रैरु मापभुत्रु  
 दंऊरु मउं मं ऊदिठवति वयेतिः मउमेप  
 मे ३३ इयमदममवृक नीउ सुवउवउरः  
 एउमदुगउडुमिदुममंऊरुमवउ ३७  
 भनिरवम ॥ मउमेवमनंठरु मापभुत्रु  
 दकगकम किं करेभिदुयपपे कयंतीउउ  
 पेभम २. गैइभुनपुपकेय ठवेइकममीप  
 नः पापभेमनकनम मवपापकयदुगो २०



उभृत्तेनतेभृत्तु पिसामहं प्रसाधुति उदृक्ते  
 तंभमेणवी लगभधितुगसूमभा ॥३३॥  
 गतेभमलेक सुवनः प्रदुवामद किमउद्वि  
 दिउंप्रदुवामद किमउद्वि  
 वम ॥ पापकदुदतेउत गभितमप्रम  
 या प्रयस्त्रितं दितुत येनपापकयेठवेउ  
 सुवनवम ॥ येइष्टमभितेपके नभ्रयपाप  
 भेदिनी सुभृत्तेनतेभृत्तु पापराभिः कयं  
 लोउ ॥ २५ ॥ उतिमूहपितुवहं दतेउतवते  
 उमभा गतेपापकयंउभृत्तु प्रदुवामद किमउद्वि  
 मः ॥ २६ ॥ वमभृत्तेनतेभृत्तु पापराभिः कयं

मेरु.

३०



पिममं विनिमुक्तं पापमेमनिकं दूतं २१

दिव्यं पुण्यं भाग्यं गतं न केवळं भूतः ७

मुक्तः प्रवृत्तिं पापमेमनिकं दूतं २२

पापमेमनिकं गणं दूतं च विनिमुक्तं ३

भयं दूतं किं विनिमुक्तं च कथं वीतं २३

पापं मुक्तं दूतं दूतं दूतं दिव्यं लोके ४

दूतं दूतं दूतं गीतं भूतं पृथु दूतं ५

दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं ६

दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं ७

विनिमुक्तं दूतं दूतं दूतं दूतं दूतं ८

मुक्तं ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥



त्रियुगिष्ठिरवम ॥ त्रिवभुष्टनभभुष्ट  
 कषयभभभुष्टः त्रैभुष्टलपकेड किं  
 नभैकमसीठवेड ॥०॥ मीरुष्टवम ॥ म  
 नः त्रैकभभभुष्टलपकेड भुष्टनीभ व  
 भिष्टेयभकषयद्रुगिलीपयपष्टुते ३  
 दिलीपउवम ॥ ठगवत्रैड भिष्टुभिकष  
 यभुष्टभभुष्टः त्रैभभभिभितेपके किंनभै  
 कमसीठवेड ३ वभिष्टुवम ॥ भभभुष्टल  
 पमैष्ट कषयभितवभुष्टः त्रैभुष्टलपके  
 वैकममनभभुष्टः रवभिष्टुः ॥ एकमसी  
 भुष्टभभभुष्टलपकेड मभभुष्टल

मैमु.

३३



वमेटं पपप्रीपट्टवचिनीभा ५५५५५  
 प्रेरमुदभगविकुपिते ५५५५५  
 गत्रिवभतिभदेकुद ५५५५५  
 केरसरलंकरोतिमगत्रुचैः किन्नरमेवम  
 प्रेरतिः भमेष्टु ५५५५५  
 चेललितभुषा ५५५५५  
 कभपीतिउ ५५५५५  
 पुउउम ललितयः ५५५५५  
 भवम ५५५५५  
 भिनी एकम ५५५५५  
 भित्त ५५५५५

५५५५५  
 ५५५५५



विन पमरुभललिङ्गे पकुवललिङ्गं  
 भग्ना ०० भनेठवविमिङ्गं उभुउङ्कुल  
 द्दगल भनेण्डुउमवङ्गं ५५ गीकेठवेङ्ग  
 प ०३ ईणभंरुनयने  
 वकुवडिठयङ्गः ममापललिङ्गं उङ्ग  
 यङ्गं भमनउरभा ०३ रकुभेठवकुङ्कुङ्गीरु  
 द्दमः ५५ धमकः यङ्गः पङ्गीवमेण्डु गय  
 भनेभभागुः ०५ वमनउभुगलेङ्गुङ्गे  
 कुपवकुवङ्गं मङ्गनउविङ्गुपङ्गे हङ्गुभङ्गेठ  
 यङ्गः ०५ वङ्गयेणनविभुलि भायंकङ्ग  
 रभनिठभा मङ्गभदनिठनेङ्ग गीवपचङ्ग

मेङ्गु

३३



मन्त्रि ०२ नभराउ विवर मणरे येएन  
 टके मगीउं भृगुलेउ उमिउं येएन भृक  
 भ(०१) रं म्मेरु भे भे भु भु भु नः कम्  
 लभा ललिउ उभषाले भु भु भु विरुउ  
 कतिभ ०३ मिउय भ भ भ न भ भुः भिन भद  
 उमिउ किं करे भि वा ग भु भि पतिः पथेन  
 पीडिउः ०७ ७ उं भं भ भ भ न भ न म भ ल  
 ठउ उ भ म म र य ति उ भ भ भं दः भिन ग  
 द न व न ७ व भ भ भि भि न भ जे क भ भ भ भ  
 र क भः निजः पथ निरुते विरुपः भ  
 ध म कः ७० न भ भ भ ल ठ उ र भ न भि व उ प



भीडितः ललितः पितृतीव पतिरुद्धः  
 षाविण्मा ३३ हृभुतेभनभाभचं दम्त्रीगदने  
 वने कलमिमगभद्विबू मियरेठरुकेउके ३३  
 एवेमङ्गभनेभुड रुद्धममपमंमुठमासी  
 पूणागभललित विनयावनताभितः ३२  
 भद्रवमभनिरुद्ध कडंकरुभुतामुठ कि  
 भडंरुभिदयाउ भटंवमभभगुतः ३५॥ल  
 लिउवम॥रीणवेतिगवूचः भडंतभुम  
 ददनः ललितं नभन विद्वियदुडुभिदमा  
 गडमा ३० ठडुवैमापदेधुं गंक्षमेडुद  
 दभने गेदुपेदुगमर भुंरुद्ध नभिमभुपभा  
 ३१

मेमु

३२



भभ्रुं मणिभं वक्र मूयस्त्रिउं वदं ठे ये  
 न प्रष्टेन विष्टे रकभं विष्टे ३३ ॥ एभि  
 मरु उवम ॥ येभभभ्रुं ठेन मुक्तपकेति  
 भं प्रुता कभैकदमीनभ्र भनउकभ  
 मरु ७५ ॥ ३७ रुमप्रुतदूउं ठे विष्टे ७ चे  
 भयेतिउम (सभ्रुतभ्रयदुं उदुठेप्र  
 मीयउम ३० मउप्रुष्टे ७ उभ्र मपमेद  
 प्रुमृति ७ उिमृदु भनचं ललिउद  
 द्विउठवउ ३० उयेष्टे कदमीनभ्रुदमी  
 द्विवमेउम विष्टेभ्रवमभीयेउ वभ्रमेवग  
 उः भ्रिउ ३३ वक्रभ्रमेतिललिउ भ्रपदुभ्र



१७ यवै भयउयडूउंमीलंकभरुयाउपे  
 ५०० भा ३३ उभुपट्टरुठवउ गउउभुधिम  
 ५३ ललिउवमनमेव वउभनेपिउडू ३२  
 गउपयः भाललिउं मिडूमेदेरकुवड  
 १८० भडुंगउउभु ५३ गडूचउं ५५  
 देभरउभभकीलु गभेललिउयभद उ  
 विभानभभकुके प्रचकुपणिकेपूठे ३०  
 ८५ उीचडूमेठउं कभरुयाः ५८ वउः  
 ७३ उलुडू ८५ मेधु कउडूय प्रयडूउः ३१  
 लेकनंमदिउ डूय उवगूकसिउंभय व  
 ८५ उदिपापप्री धिममडूविनमिनी ३३

मे सु

३५







कठगायकनेहं भूमीभेठगुमपुयउ  
 लेकनंमैवभवेयं कुक्तिभक्तिश्रयिनी २  
 भवपापदग्गुं गडुवगनिदुत्तिनीवकु  
 विट्टवउनेव भूउभनभगउः ५ प्रवृभा  
 गमयःभवे गएनेवदवभुषवकुकपालनि  
 मुकुवकुवुःठगवदयः ७ ममवदभद  
 भूउपभुष्टडियेनरः उडुलुंठलभप्रेति  
 वकुविट्टवउत्रः १ कुमकेउगविगह्नेभल  
 ठगंमरुडियः उडुलुंठलभप्रेति वकुविट्ट  
 वउत्रः ३ उलपलमउंल्लेयंठगःभुद्धिं  
 मडिभुलः वगिद्धुंलठउभोप ७ कलेक

वेद-  
 ७०



CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri



विदुनलीवति नरः पापविभेदिताः ०५ प्रह  
 कयडैगच्चडि निरयंयउतयउम (उभ्रुच  
 प्रयडैन नगूहंकटकणनम ०६ कटं प्रह  
 येरुहृ हृषमक्तिभुलहृउम (उहृहृमहृक  
 तुउ मिहृउतेनवेहृलम ०७ उहृलं हृलमभे  
 डिनरः रुहृ विडुषिनीम (कंभुंभंभंभभ्रंभ  
 म ककेरुवंभुष ०८ मकंभप्रपरवेम  
 भनहृलनभैषुनम (वैहृवेहृउकतुम रुमभुं  
 रुमवल्लयेउ ०९ प्रउहृीहृंमनिहृंम उभुलं  
 रुतुणवनम (पहृवमंमपैमुहृ पडिउःभ  
 रुहृयम १० हृंमैवहृउवंहृं पकमभुं

वैरु.  
 ३१



विवलयैत(११) नैरुण्डभुलं पगत्रं भप्र  
 दिगुलभा ३० वउकाल्लभप्रं सुदृष्टं  
 भदिपीउषा तैलहं गेयभक्तं सुभैषुनं मवि  
 वल्लयैत(३३) मुनेन विणिगगल विदिउवै  
 वकुषिनी भवपापकयंदइ मृष्टं उं सुठं  
 गतिभा ३३ गइएगारं रुद्र प्रणिउं भप्र  
 मनः भवपापविनिमुक्तं मुयतिपरभंग  
 तिभा ३२ उभृष्टवप्रयत्नेन कतुष्टं पापठगद  
 कपतिउनयमूति नरनेव वकुषिनी ३१ प० न  
 सुव ७५ एनै भदमं ठलं लठेता भवपाउक  
 निमुक्त विमल्लेक भदीयउ ३० ७५ तिमी ठविष्टे



उरेश्वर वैसापदधुवकुविनीभदकुं ॥ सुते ॥

तिनभेश्वरय ॥ ॥ यणिधिरवम ॥

वैसापसुक्तापकेउ किंनभैकदमीठवेउकिं

दलेकेविणिभुभुः कषयभुरानदुन ॥ १ ॥

मीठधुवम ॥ कषयभिकषमेउं मरधु

पन्नननवमिधेयभकषयदुरगभय

धसुते ॥ ॥ रभउवम ॥ ठगवज्ञेउमिधु

मिधुउनभुउमंभुउमभचपधकयकरंभ

वै सु. चदुःपदिदनुनभ ॥ ॥ रभः ॥ भयदुःप

३३ निभकुनिभीउविगदरनिस उउंउंठयठी  
उमिधुधुउंमभदभने ॥ वमिधुउवम ॥



भाग्यधुं दूयगभ उवैधनैधुकीभतिः इत्र  
 भगुदल्लनैव प्रउठवतिभनवः ५ उवधि  
 कषयिष्टमि लेकनंदिउकभृय पविउं प  
 वननंम सुउनंउउमंउउभा १ वैसापभृ  
 मिउपक्के इरमीगभयठवेउ मेदिनीनम  
 भापेऊ भवपापदरपर १ मेदएलभृभ  
 सुउ पउकनंमभृदउः सुभृउउठवेन  
 भटुंभटुंवरभृदभा उ सुउभृकग ७ इर  
 कउठैधठवममेः पउकनंकयकरी भर  
 इः १७ विनमिनी ७ मरपैकभनरभकवं  
 पापदरं सुठभा यभृः सुव ७ भाउ ७ मरपापं



वेसु  
३७



कवे प्रभरुद्रद्विर्लंनधि ॐ चटयकरी सुभ्र  
 द्धि पिउद्रुद्रुयद्रुः चठकठककः पपी  
 भुरपनरुतः भद्र ० वेमकधं क्षिप्ररु  
 रुभरुधिसु उधुव पिद्रु निद्रु पिउ गेद रु  
 रिद्रुद्रुद्रुवै ० उ भुद्रुद्रुय ० उव कयं  
 नीउ निउ नवै गलि ठिपरिद्रुद्रुयं निद्रुद्रु  
 उवकयउ ० उउद्रुद्रु पगे लउ वभुदीनः रु  
 उद्रुद्रुः किंकरेभिकगद्रु मिक्नेपयेनली  
 द्रुउ ३ भुनद्रुं सभभरुं उद्रुवनगरं धनः रु  
 दीउरुलपुद्रुयै भुद्रुद्रु पिद्रु गेवनाउ ० पन  
 वद्रुः पनभुद्रुः पनभुद्रुः भवेभटैः उधुगद्रु



दुःखमरे निवसुनिगडैरु ३३ कमपाउसु

द्विउसु पीडिउसुभनः प्रतः उभुउष्टे निविउ

इ क... भकुसगेमरे ३३ एवभकुभुउरस

मेसुउमरुवरुनउ निलगभठयइभुगे-

भोगदनेवनभा ३२ कुणरुह पीडिउसु ५३

मेउसुणवडि भिंदववनगेनभा भगअक

रविपुलना ३५ सुमिषादरनिरउ वेनेउिध

डिभचरु मरभनेमरुद्व निधदं ५४ भकुउ

भा ३० चरुमरि... दडि पदि... सगउचि

रुना मकंरं सुभयुगं सुकीक भुडिगिभुय

कना ३१ एउनरु दडिनिष्टं ५५ रुडि सुनिउयः

वैसु

५०



